(ग) सम्पुष्ट सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अधीन मध्य प्रदेश में अतिरिक्त ब्लाकों को शामिल करने सम्बन्ध में कोई निर्णय अभी तक नहीं लिया गया हैं ।

Excise concessions on cold drinks

1828. SHRI S.S. SURJEWALA: Will the Minister of CIVIL SUPPLIRS, CONSUMER AFFAIRS AND PUBLIC DISTRIBUTION be pleased to refer to the answer to Unstarred Question 876 given in the Rajya Sabha on 7th August,1995 and state whether Government would refer the issue of non-passing of the benefit of the excise relief to the consumers offered on cold drinks to the Bureau of Industrial costs and prices to enforce the above suggestion?

THE MINISTER OF CIVIL SUPPLIES, CONSUMER AFFAIRS AND PUBLIC DISTRIBUTION. (SHRI BUTA SINGH): Bureau of Industrial Costs & Prices (BICP) has been requested to conduct a study of some select items, which includes soft drinks, to ascertain Whether the industries have passed on the benefits of tax concessions announced in the budget of 1995-96 to the consumers and submit its findings to this Ministry.

बंगलादेश को निर्यात

1829. **श्री गोपाल सिंह जी.सोलंकी**: क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) गत तीन वर्षो के दौरान प्रत्येक वर्ष में बंगलादेश की कितने-कितने मूल्य की वस्तुओं का निर्यात किया गया हैं;

(ख) अब तक निर्यात की गयी मुख्य वस्तुओं का ब्यौरा क्या हैं;

(ग) क्या सरकार ने इस संबंध में निर्धारित किये गये लक्ष्य को प्राप्त कर लिया हैं ;

(घ) आज की तारीख तक मुख्यतः किन-किन वस्तुओं के निर्यात के लिए बंगलादेश द्वारा प्रस्ताव प्रस्तुत किये गये हैं;और

(ड़) वर्ष 1995-96 के दौरान इस निर्यात से कितनी विदेशी मुद्रा के अर्जन किये जाने की संभावना हैं?

वाणिज्य मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री पी.चिदम्बरम): (क) संगत आंकड़े निम्नलिखित हैं:-

वर्ष	निर्यात (करोड़ रूपये)
1992-93	1028.46
1993-94	1349.29
1994-95	2001.50

स्त्रोत: डीपीसीआई एण्ड एस

(ख)बंगलादेश को निर्यात की गई मुख्य मदों में शामिल हैं सूती धागा,फैब्रिक्स तथा मेड-अप्स,परिवहन उपस्कर,मशीनरी और उपकरण,शीशा और शीशे का सामान,सिरैमिक्स और सीमेंट,कोयला,चावल और कागज तथा लकड़ी उत्पाद । विस्तृत आंकड़े डीबीसीआईएण्डएस के प्रकाशन "फारेन ट्रेड स्टेटिस्टिक्स ऑफ इण्डिया" में देखे जा सकते हैं जो संसद पुस्तकालय में उपलब्ध हैं ।

(ग) ऐसे कोई लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जाते हैं ।

(घ) बंगलादेश ने ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं भेजा हैं । देश से निर्यात के लिए अनुमत सभी मदों का तदनुसार बंगलादेश को निर्यात किया जा सकता हैं ।

(ड़) ऐसा अनुमान लगाना अभी संभव नहीं हैं । वर्ष 1995-96 के प्रथम दो माह की अवधि में बंगलादेश को 578.82 करोड़ रू.मूल्य का निर्यात किया गया जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 148% अधिक हैं ।

Modernisation of rescue services

1830. SHRI RAJNI RANJAN SAHU: DR. SHRIKANT RAMCHANDRA JICHKAR:

Will the Minister of COAL be pleased to state:

(a)whether the rescue services in coal mines have been modernised;

(b)how do they compare with those in the developed countries;

(c) what is the measure of modernisation; and

(d) by when the modernisation programme will be completed?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COAL (SHRI AJIT KUMAR PANJA): (a) to (d) Modernisation of rescue

services in coal mines undertaken in accordance with tile modernisation plan drawn up in this regard is expected to be completed by the end of 1998. The plan envisaging provision of buildings, equipment, training facilities, staffing pattern etc., compares favourably with those provided in the developed countries.

Export of Pulses

1831. SHRI K.R. MALKANI: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether India is perennially short of pulses leading to high prices of pulses:

(b) whether PEPSI wants to export pulses, which can only lead to more serious shortages and still higher prices of pulses;

(c) whether Government would ban export of pulses; and

(d) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI P. CHIDAMBARAM): (a) The production of pulses during 1994-95 was around 14.53 million tonnes which was less than the estimated domestic demand.

(b) and (c) A quantitative ceiling of 10,000 MT has been released for export of pulses during 1995-96 for which expoters can apply to the Director General of Foreign Trade.

(d)To maintain India's presence in the international market a small quantity of pulses have been permitted for exports.

संसद सदस्यों के लिये स्थानीय क्षेत्र विकास योजना

1832.**श्री शंकर दयाल सिंह**: क्या योजना और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या इस बात का पता लगाने के लिए कि संसद सदस्यों के स्थानीय क्षेत्र के विकास की योजना के अधीन दी गई राशि का पूरा-पूरा उपयोग किया जाता हैं अथवा नहीं,कोई केन्द्रीय दल विभिन्न राज्यों में भेजा जाएगा,और

(ख) यदि हां,तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या हैं;और यदि नहीं,तो उसके क्या कारण हैं ?

योजना और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री गिरिधर गमंम): (क) और (ख) देश में सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना के कार्यान्वयन में लगभग 400 जिले लगे हुए हैं । विभिन्न केन्द्रों में,निधियों के पूर्ण उपयोग का पता लगाने के लिए,एक केन्द्रीय दल को भेजना सम्भव नहीं हैं क्योंकि कार्यक्रम कार्यान्वयन विभाग के पास पर्याप्त मशीनरी/स्टीफ नहीं हैं । तथापि, विभाग ने "निकनेट" के माध्यम से प्रगति का प्रबोधन करने के लिए एक प्रपत्र तैयार किया हैं तथा आंकड़े अद्यतन एकत्रित किए जाएंगे । जिला कलेक्टर,योजना की प्रगति के आंकड़े इसमें फीड करेंगे जोकि इस विभाग तथा संसद सदस्यों द्वारा केन्द्रीय रूप से पुन: प्राप्त किए जाएंगे । विभाग कभी-कभी नमूना जाँच द्वारा प्रगति को सत्यापित करने के लिए अधिकारियों को भेजेगा ।

असंगठित क्षेत्र में श्रमिकों में जागरूकता

833. **श्री ईशदत्त यादव**:

चौधरी हरमोहन सिंह:

क्या श्रम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने श्रम कानूनों के अधीन किए गये उपबन्धों के बारे में असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों में जागरूकता लाने के लिए कोई प्रयास किये हैं;

(ख) यदि हां,तो पिछले तीन वर्षो का ब्यौरा क्या हैं,और

(ग) इस संबंध में सरकार को क्या सफलता मिली हैं ?

श्रम मंत्री (श्री पी.ए.संगमा): (क) जी,हां सरकार ने कामकाजी वर्ग जो लोगों को उनके अधिकारों और दायित्वों के बारे में जागरूक करने के लिए एक त्रिपक्षीय निकाय के रूप में केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड का गठन किया हैं । यह बोर्ड इस निमित्त प्रशिक्षण कार्यक्रम,संगोष्ठियां और कैम्प आदि आयोजित करता हैं ।

(ख) और(ग) पिछले तीन वर्षो के दौरान प्रशिक्षित किए गए श्रमिकों की संख्या निम्नवत हैं:-

वर्ष	प्रशिक्षित किए गए कुल श्रमिकों की संख्या
1991-92	174900
1992-93	153563
1993-94	128264

उपरोक्त आंकड़ों में असंगठित और लघु क्षेत्र ग्रामीण क्षेत्र के श्रमिक,महिला औरबाल श्रमिक, अ.जा./अ.ज.जा.के श्रमिक और समजा के अन्य कमजोर वर्गो के श्रमिक शामिल हैं ।